>

Title: Regarding corruption prevalent in giving loans to poors and farmers in Sheohar district, Madhya Pradesh.

श्रीमती रमा देवी (शिवहर): सभापति जी, मेरे संसदीय क्षेत्र शिवहर में ग्रामीण रोजगार सृजन करने हेतु जो केन्द्र सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाएं लागू हैं, उन्हें सरकारी बैंक, स्टेट बैंक आफ इंडिया, बैंक आफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक आफ बड़ौदा, सेंट्रल बैंक आप इंडिया द्वारा ऋण राशि उपलब्ध कराई जाती है, खेद के साथ कहना पड़ता है कि उस ऋण को प्राप्त करने के लिए किसानों और गरीब लोगों को बैंकों के प्रबंधकों द्वारा परेशान किया जा रहा है। बैंकों के प्रबंधकों ने अपने दलाल इन लोगों के पीछ लगा रखे हैं। ये दलाल लाभार्थी से सम्पर्क करते हैं और ऋण दिलाने का वादा करते हैं। बाद में आबंटित राशि का काफी हिस्सा स्वयं रख लेते हैं। इसमें बैंक प्रबंधकों की भी बड़ी हिस्सेदारी होती है। इस कारण लोगों को दलालों के बिना ऋण मिलना सम्भव नहीं हो पा रहा है। जब तक दलालों का इशारा बैंकों के प्रबंधकों को नहीं होता, उन्हें ऋण नहीं दिया जाता है। इंदिरा आवास योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधान मंत्री रोजगार सृजन योजना, स्वर्ण जयंती रोजगार योजना एवम् दलित सम्बन्धी कल्याणकारी योजनाएं इत्यादि में धड़ल्ले से कमीशन ली जा रही है। मैंने पत्र लिखकर वित्त मंत्री जी को इस सम्बन्द में सूचना देते हुए कहा था कि इस पर तत्काल कार्रवाई करने की आवश्यकता है, क्योंकि इस प्रकार से केन्द्र सरकार की योजनाओं के उद्देश्य की प्राप्ति नहीं हो पा रही है। दूसरी ओर इन योजनाओं में गम्भीर रूप से भ्रष्टाचार फैला हुआ है। इसलिए मेरी आपके माध्यम से सरकार से मांग है कि इसकी जांच कराई जाए और दोषी अधिकारियों तथा दलालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, जिससे इन योजनाओं का लाभ जरूरतमंद लोगों तक शत प्रतिशत पहुंच सके।